BUSINESS STANDARD HINDI, Delhi, 11.7.2024
Page No. 4, Size:(28.72)cms X (27.62)cms.

कोयले से गैस की योजना को बल

श्रेया जय और नितिन कुमार
नई दिल्ली, 10 जुलाई

कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने कोयले से गैस बनाने की योजना को मूर्त रूप दे दिया है। यह दशकों से मंत्रालयों के बीच खींचतान का विषय रहा है। सीआईएल ने बीएचईएल के साथ साझेदारी में एक नई कंपनी भारत कोल गैसीफिकेशन ऐंड केमिकल्स (बीसीजीसीएल) की स्थापना की है। इसका मकसद कोल इंडिया की कोयला खदानों से 6.60 लाख टन अमोनियम नाइट्रेट का उत्पादन करना है।

अधिकारियों के अनुसार इसे पूरी परियोजना की लागत करीब 11,782 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीएफआर) तैयार करने के लिए 1,350 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। कोल इंडिया और बीएचईएल ने मई 2024 में संयुक्त उपक्रम बीसीजीसीएल स्थापित किया था। इसमें सीआईएल की 51 फीसदी और बीएचईएल की 49 फीसदी हिस्सेदारी है।

सीआईएल के चेयरमैन व प्रबंध निदेशक पीएम प्रसाद ने हाल में इस अखबार से हुई बातचीत में जानकारी दी थी कि इस संयुक्त उपक्रम (जेवी) का उद्देश्य कोयले का गैसीकरण कर मध्यवर्ती उत्पादों के रूप में सिन-गैस, अमोनिया और नाइट्रिक एसिड का उत्पादन और अंतिम उत्पाद के रूप में अमोनियम नाइट्रेट का उत्पादन करना है। कुछ उत्पादों का उपयोग सीआईएल के खनन और उत्पादन में किया जा सकता है। अन्य उत्पाद खुले बाजार में बेचे जाने हैं। प्रसाद ने बताया, 'अमोनियम नाइट्रेट बड़े पैमाने पर विस्फोट करने का प्रमुख अवयव है। इसका उपयोग सीआईएल अपनी खुली खदानों में व्यापक रूप से करता है। प्रस्तावित संयंत्र ओडिशा के लखनपुर क्षेत्र के महानदी कोलफील्ड्स (एमसीएल) लिमिटेड में स्थापित किया जाएगा और यह रोजाना 2,000 टन अमोनियम नाइट्रेट व सालाना 6.6 लाख टन उत्पादन करेगा। इसके लिए करीब 13 लाख टन कोयले की जरूरत होगी और सीआईएल को इसकी आपूर्ति एमसीएल से होगी।'

एमसीएल की वसुंधरा कोयले की खदान इस परियोजना के लिए चिह्नित की गई खदानों में है। ओडिशा के झारसुगुड़ा जिले के लखनपुर क्षेत्र में एमसीएल की करीब 350 एकड़ जमीन इस परियोजना के लिए चिह्नित की गई है। बीएचईएल कोयले के गैसीकरण की निविदा हासिल कर रहा है। अधिकारियों के अनुसार इस परियोजना के चार चरण होंगे। एयर सेपरेशन यूनिट (एएसयू), ऐश हैंडलिंग प्लांट (एएचपी), स्टीम जेनरेशन प्लांट (एसजीपी), कोल हैंडलिंग प्लांट (सीएचपी) और नॉमिनेशन आधार पर कूलिंग टॉवर होंगे।

इसके अलावा बीसीजीसीएल ने 'कोयले से अमोनियम नाइट्रेट' परियोजना के लिए दूसरी निविदा जारी की है। यह निविदा 'लंपसम टर्नकी' (एलएसटीके) आधार पर पूरी की जानी है। एलएसटीके -2 और एलएसटीके-3 के पैकेज में मूल रूप से प्राप्त गैस का शुद्धीकरण कर कार्बन मोनोऑक्साइड, अमोनिया के अवयव और तरलीकृत नाइट्रोजन का भंडारण किया जाएगा। एलसीटीके-4 के पैकेज में नाइट्रिक एसिड और अमोनियम नाइट्रेट के उत्पादन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

कोल इंडिया गेल के साथ एक और संयुक्त उपक्रम स्थापित करेगा। यह उपक्रम पश्चिम बंगाल के बर्धमान जिले के सोनपुर बजरिया जिले के ईस्टर्न कोलफील्ड्स (ईसीएल) में स्थापित होगा। प्रसाद ने बताया, 'विस्तृत परियोजना रिपोर्ट बनाने की प्रक्रिया जारी है। हम सेल के साथ भी संयुक्त उपक्रम की संभावनाएं तलाश रहे हैं।'

बीसीजीसीएल

- सीआईएल और बीएचईएल ने संयुक्त उद्यम बीसीजीसीएल बनाया है
- सिन-गैस, अमोनिया और नाइट्रिक एसिड का उत्पादन होगा और इसके लिए कोयले का गैसीकरण होगा
- कोल इंडिया की खदानों से 6.60 लाख टन अमोनियम नाइट्रेट का उत्पादन किया जाएगा

सीआईएल के समझौते

- सीआईएल गेल के साथ एक और संयुक्त उपक्रम स्थापित करेगा
- सेल के साथ भी संयुक्त उपक्रम की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं